>

Title: Need to provide special package for upliftment of Bihar.

श्री सैयद शाहनवाज़ हुसैन : महोदया, बिहार के बारे में यहां पहले भी इस विषय को उठाया गया है। पिछली यूपीए सरकार ने बिहार में वित्त विकास की रणनीति बनाने के लिए प्लानिंग कमीशन के जरिये एक टॉस्क फोर्स बनायी थी। हमने पिछली बार माननीय शरद जी के नेतृत्व में बिहार के साथ हो रहे अन्याय के बारे में यहां मुद्दा उठाया था। उसके बाद हमारे जख्मों पर मरहम लगाने की जगह यह सरकार हमारे जख्मों पर नमक छिड़क रही है। जो टॉस्क फोर्स बिहार के लिए बनी थी, उसे पिछली 20 जुलाई को इस सरकार ने भंग कर दिया है।

महोदया, आप जानती हैं कि बिहार के लोगों से इस सरकार की नाराजगी हो सकती है क्योंकि, पहले आप उस सरकार में बिहार की प्रतिनिधि थीं, यह भारत के इतिहास में पहली सरकार है जिसमें कोई भी बिहारी कैबिनेट में नहीं बैठता है, इस पंचायत में बिहार के लोगों की एंट्री नहीं है। आज इसी वजह से बिहार के हित की अनदेखी हो रही है। हम लोगों ने मांग की थी कि कोसी नदी पर इतनी बड़ी विनाशकारी बाढ़ आयी, आज बिहार में सूखा है, हमने बिहार को विशेष राज्य का दर्जा देने की मांग की, बिहार के लिए विशेष पैकेज की मांग की थी। उस वक्त हमें उम्मीद थी कि यह सरकार हमारी बातों पर ध्यान देगी और बिहार के साथ न्याय करेगी। यह ऐसी सरकार है जो बाढ़ में दिये गये पैसे को वापस मांगती है। मैं जानता हूं कि बिहार में आपको सफलता नहीं मिली, पूरे देश में आप सफलता का ढिंढोरा पीट रहे हैं, लेकिन बिहार में आपको सिर्फ दो सांसद मिले हैं। पूरे बिहार के एक-एक नागरिक से आपकी नाराजगी का कारण क्या है? जो विशेष टॉस्क फोर्स आपने बनायी थी, जिसमें बिहार सरकार पूरी तरह मदद कर रही थी, उस टॉस्क फोर्स को भंग करके बिहार के लोगों के साथ इस सरकार ने बहुत अन्याय किया है। यह सरकार बिहार के साथ सौतेला व्यवहार कर रही है।

महोदया, आप बिहार की कैबिनेट में प्रतिनिधि थीं और आज आप चेयर पर हैं, इस नाते मैं आपके जरिये इस सरकार से मांग करना चाहता हूं कि बिहार के साथ अन्याय करना बंद करे। जो टॉस्क फोर्स आपने बनायी थी, उसने बिहार के लिए 30 हजार करोड़ रूपये की मदद की सिफारिश की थी। मुझे लगता है कि शायद सरकार नाराज़ हो गई होगी कि जो टास्क फोर्स बनाई, उसने 30 हज़ार करोड़ रुपये देने की सिफ़ारिश क्यों की। उनको शाबाशी देने की जगह इस टास्क फोर्स को भंग कर दिया है। मैं आपके ज़रिये सरकार से मांग करना चाहता हूँ कि तुरंत उस टास्क फोर्स को बहाल किया जाए और बिहार के साथ जो अन्याय हो रहा है तथा अन्यायकारी जुल्म और ज़्यादती की नयी मिसाल ये कायम कर रहे हैं, उस मिसाल को बंद किया जाए। बिहार के लोग काम करेंगे, तब आपका भविष्य होगा। अगर इस तरह से कम सीटें मिलीं, इस कारण से आप पूरे बिहारियों से नाराज़ हो गए हैं, तो इस नाराज़गी को खत्म करना चाहिए और बिहार के साथ न्याय करना चाहिए।

श्री शरद यादव : अध्यक्ष महोदया, मैं इनकी बात के साथ अपने को संबद्ध करता हूँ।

श्री कीर्ति आज़ाद (दरभंगा): अध्यक्ष महोदया, मैं भी इस मुद्दे के साथ अपने को संबद्ध करता हूँ।